RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

INDORE ■ 11 JANUARY TO 17 JANUARY 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 17 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

मोटे अनाज में क्यों बढ़ रही है लोगों की दिलचस्पी Page 2

Bank Locker: इस वजह से परेशान हो रहे लोग, अब बैंक लॉकर को करना चाहते हैं बंद Page 3

जापान से आगे निकला भारत... अब चीन और अमेरिका की बारी, आनंद महिंद्रा भी हुए गदगद Page 7

editoria!

जेंडर न्यूट्रल होती सेना

देश की सेना को जेंडर न्यूट्रल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने की तैयारी हो रही है। आर्मी ने कहा है कि वह जल्दी ही अपने आर्टिलरी रेजिमेंट में महिला ऑफिसरों को कमिशन करने जा रही है। यह न केवल सेना के अंदर बराबरी का व्यवहार पाने के लिए संघर्ष कर रही महिला ऑफिसरों के लिए बल्कि समाज में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की इच्छा रखने वाले तमाम लोगों के लिए अच्छी खबर है। ध्यान रहे, न सिर्फ अपने देश में बल्कि दुनिया भर में सेना को पारंपरिक तौर पर पुरुषों का क्षेत्र माना जाता रहा है। स्वाभाविक ही महिलाओं को इस क्षेत्र में प्रवेश पाने और आगे बढ़ने के लिए कदम-कदम पर बाधाओं का सामना करना पड़ा है। एक बड़ा अवरोध सेना के अंदर की पारंपरिक पुरुषवादी सोच भी रही है। इन तमाम दृश्य और अदृश्य रुकावटों का ही परिणाम कहेंगे कि 1990 की शुरुआत में ही 14 लाख की संख्या वाले सशस्त्र बलों में प्रवेश पा जाने के बावजूद अब तक महिला ऑफिसरों की संख्या 3,900 से कुछ ही ऊपर जा सकी है। इनमें से 1,710 महिला ऑफिसर सेना में, 1,650 वायु सेना में और 600 नौसेना में हैं। इनसे अलग 1,670 महिला डॉक्टर, 190 डेंटिस्ट और 4,750 नर्सें जरूर मिलिटरी मेडिकल स्ट्रीम में हैं। लेकिन खास बात यह है कि सेना के अंदर महिलाओं को कठिन मानी जाने वाली ड्यूटी पर भेजने से बचने की प्रवृत्ति है, जिसे महिलाएं अपनी तरफ से लगातार चुनौती देती रही हैं। आज भी महिला ऑफिसरों को इन्फैंट्री के कॉम्बैट आर्म्स, आर्मर्ड कोर (टैंक) और मेकेनाइज्ड इन्फैंट्री में या नौसेना की पनडुब्बियों में तैनाती नहीं मिल सकती। बहरहाल, अपने जज्बे और कोर्ट के सहयोग से महिलाओं ने न केवल परमानेंट कमिशन हासिल कर लिया बल्कि धीरे-धीरे कठिन मोर्चों पर भी खुद को साबित करते हुए आगे बढ़ रही हैं। सेना की ओर से घोषित ताजा कदम की अहमियत खास तौर पर दो वजहों से है। एक तो यह कि हालांकि आर्टिलरी को सेना का 'कॉम्बैट सपोर्ट आर्म' कहा जाता है, लेकिन यह चीन और पाकिस्तान के विवादित और संवेदनशील सीमा क्षेत्रों पर तैनात यूनिटों के साथ फ्रंटलाइन पर मौजूद रहती है। दूसरी बात यह कि सेना का यह फैसला उसकी अपनी पहल पर आया है। इससे पहले महिलाओं के लिए अहम भूमिका सुनिश्चित करने से जुड़े ज्यादातर बड़े फैसले कोर्ट के आदेश के दबाव में उठाए गए। यह इस बात का संकेत है कि हमारे सशस्त्र बलों में ऊपरी स्तर पर महिलाओं को, उनमें निहित संभावनाओं को देखने का नजरिया बदल रहा है। इससे यह उम्मीद बंधती है कि सशस्त्र बलों के अंदर महिला ऑफिसर किसी भी अन्य ऑफिसर की तरह जैसे-जैसे खुद को साबित करेंगी, उनकी भूमिका अधिकाधिक प्रभावी होती जाएगी। अधिक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ते भारतीय समाज के लिए यह एक सुकून देने वाली बात है।

केंद्र सरकार का फैसला

रुपे डेबिट कार्ड और भीम यूपीआई लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए 2600 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार रुपे डेबिट कार्ड व कम राशि के भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन देगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2,600 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। इस कदम से देश में डिजिटल भुगतान को और बढ़ावा मिलेगा। योजना के तहत बैंकों को चालू वित्त वर्ष यानी 2022-23 में रुपे और यूपीआई का इस्तेमाल कर 'पॉइंट ऑफ सेल' (पीओएस) यानी दुकानों पर लगी भुगतान मशीन और ई-कॉमर्स लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट में कहा कि मंत्रिमंडल ने रुपे डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई के जरिये व्यक्तियों एवं कारोबारियों के बीच कम राशि के लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी। इससे डिजिटल भुगतान में भारत की प्रगति और मजबूत होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले बजट में कहा था, डिजिटल भुगतान बढ़ाने के लिए वित्तीय मदद जारी रखेंगे।

एनआरआई के लिए भी जल्द यूपीआई सुविधा

प्रवासी भारतीय (एनआरआई) भी जल्द अपने विदेशी मोबाइल नंबर से यूपीआई का इस्तेमाल कर सकेंगे। हालांकि, यूपीआई से सिर्फ उनके नॉन रेजिडेंट एक्सटर्नल (एनआरई) व नॉन रेजिडेंट ऑर्डिनरी (एनआरओ) जैसे अंतरराष्ट्रीय खाते ही जुड़ सकेंगे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने सभी पेमेंट इंटरफेस वाली संस्थाओं से तैयारी करने को कहा है।

इन्हें होगा लाभ

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, कैबिनेट के फैसले से डिजिटल भुगतान व्यवस्था को एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम), असंगठित क्षेत्र और सुदूर किसानों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। सरकार जैविक उत्पाद, बीज और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए तीन नई सहकारी समितियों का गठन करेगी।

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा, एक फरवरी को बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्तीय वर्ष 2023-24 का संसद बजट सत्र 31 जनवरी 2023 से 6 अप्रैल तक चलेगा. सत्र की शुरुआत लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू के संबोधन करेंगी। पहली बार राष्ट्रपति मूर्मू संसद के दोनों सदनों को संबोधन करेंगी। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने ट्विटर पर इसकी जानकारी दी। एक फ़रवरी को केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में बजट पेश करेंगी। प्रहलाद जोशी ने बताया कि बजट सत्र के दौरान सामान्य अवकाश के साथ 66 दिनों में 27 बैठकों के साथ 6 अप्रैल तक चलेगा। उन्होंने बताया कि बजट सत्र 2023 के दौरान अवकाश 14 फरवरी से 12 मार्च तक रहेगा। अमृत काल महोत्सव के बीच आयोजित इस सत्र में जोशी ने राष्ट्रपति के केंद्रीय बजट और अन्य मुद्दों पर सार्थक बहस की उम्मीद जताई है। 2023-24 बजट सत्र का पहला भाग 13 फरवरी तक चलेगा. इसके बाद 13 मार्च को दूसरा भाग शुरू होगा।

प्रवासी भारतीय मेहमानों के लिए आयोजित किया पंतग उत्सव

आईपीपीएफ और एआईएमपी का संयुक्त आयोजन में शामिल हुए मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने पतंग उड़ाई, विंजेट कारों की प्रदर्शनी भी लगी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में आए मेहमानों और उनके परिजनों के लिए इंदौर में अनेक आयोजन किए गए थे। इसमें एक बडा आयोजन इंदौर के औद्योगिक संगठनों ने पंतग महोत्सव के रूप में किया । विजयनगर स्थित लॉओमनी गार्डन में आयोजन का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, मंत्री तुलसी सिलावट, महापौर पुष्पमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, श्रीमति साधना सिंह, विधायक रमेश मैंदौला,आकाश विजयवर्गीय,आईडीए अध्यक्ष जयपाल सिंह चावडा सहित

बडी संख्या में उद्योगतियों की उपस्थिती में किया। आयोजन को एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्यप्रदेश, इंडियन प्लास्टपैक फोरम के सयुक्त तत्वावधान में किया गया था। इसके लिए विशेष रूप से गुजरात से आए पंतंगबाज आए थे। एआईएमपी अध्यक्ष योगेश मेहता और आईपीपीएफ अध्यक्ष सचिन बंसल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर और पतंग उड़ाते हुए इस आयोजन का आरंभ किया । मध्यप्रदेश के लिए बडे ही गौरव का अवसर है कि भारत सरकार, विदेश मंत्रालय द्वारा 17 वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2023 का आयोजन इस बार इंदौर में आयोजित किया गया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि पतंग महोत्सव का आयोजन हमारे उद्योगपति मित्रों ने किया है।इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं। प्रवासी भारतीय हमारे अतिथि भी पतंग उड़ा रहे हैं। यहां अलग-अलग स्वादिष्ट व्यंजन भी हैं। **(शेष पृष्ठ 2 पर)**

प्रवासी भारतीय मेहमानों के लिए आयोजित किया पंतग उत्सव

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंदौर की अतिथि सत्कार की जो अद्भुत परंपरा है उसका निर्वाह हो रहा है। उन्होंने पतंगबाजी में हाथ आजमाते हुए कहा कि यह प्रदेश के विकास की पतंग है, बहुत ऊंची जाएगी। वर्षों बाद मैंने पतंगबाजी में पेज लड़ाए हैं। निश्चित ही प्रवासी भारतीयों को यह आयोजन लुभाएगा।

विंटेज कार में बैठे सीएम, इमली कबीट का स्वाद चखा

इस दौरान मुख्यमंत्री ने पतंग महोत्सव में शामिल विंटेज कारों और परिसर स्थित साज सज्जा व विविध प्रकार के व्यंजनों के स्टॉलो का अवलोकन किया। वही श्रीमति साधना सिंह ने वहां लगे स्टॉल पर इमली, कबीट, बोर और अमरूदों को चखा। उन्होनें वहां अपने हाथों में मेहंदी भी लगवाई। काइट कार्निवल में उपयोग किए गए डोर इसबगोल एवं बबूल के गोंद से युक्त ऑर्गेनिक कॉटन के द्वारा निर्मित बायोडिग्रेडेबल और कांच मुक्त थे।

इस आयोजन में प्रवासी भारतीय मेहमानों के लिए मकर संक्रांति उत्सव की तरह ही भारतीय परंपरागत खेलों का भी विशेष प्रबंध रखा गया है। इस काइट कार्निवल में विभिन्न देशों के प्रवासी प्रतिनिधी अपने परिवार के साथ शामिल हुए और उद्योगपतियों की टीम उनके स्वागत के लिए तैयार थी।

इस आयोजन में भारतीय स्वाद से परिपूर्ण स्वादिष्ट व्यंजन जिसमें गजक, रेवडी, चनाजोर गरम, गराडू, पोहे, जलेबी जैसे व्यंजन भी परोसे गए। यहां किड्स झोन, महिलाओं के लिए मेहंदी लगवाने की व्यवस्था थी। यह पूरा आयोजन में मप्र शासन, इंदौर जिला प्रशासन और इंदौर नगर पालिक निगम के मार्गदर्शन में किया या था। आयोजन के प्रारंभ में संभागायुक्त डॉक्टर पवन शर्मा, कलेक्टर इलैया राजा टी, निगमायुक्त श्रीमति प्रतिभा पाल, पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी मिश्रा, एसीपी मनीष कपुरिया, राजेश हिंगाणकर, सहित अनेक अधिकारी,प्रवासी भारतीय और उद्योगपति उपस्थित थे।

इस अवसर पर पार्षदगण, एमआईसी सदस्य, भाजपा नेतागण और वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी विभिन्न उद्योग और व्यापारिक संस्थाओं के पदाधिकारी आदि मौजूद रहे। एआईएमपी महिला विंग महिला सिद्धि ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रकाश जैन, तरुण व्यास, हरीश भाटिया अनिल पालीवाल, प्रमोद डफरिया, मनीष चौधरी, अमित धाकड़, गिरीश पंजाबी ओम धूत, हेमेंद्र बोकाडिया, नवीन धूत, रामकिशोर राठी, रोहन गुप्ता, रवि माहेश्वरी रीना जैन, श्रेष्ठा गोयल आदि उपस्थित रहे।

मोटे अनाज में क्यों बढ़ रही है लोगों की दिलचस्पी

नई दिल्ली।एजेंसी

देश और दुनिया में मोटे अनाजों को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल ही में मोटे अनाज को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए संसद में मिलेट्स फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। बड़े-बड़े होटलों से लेकर संसद के मेन्यू तक में इसे शामिल किया गया है। मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को मिलेट ईयर मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है, जिसका प्रस्ताव भारत ने ही रखा था। अरसे बाद जब ये सुपरफूड के रूप में विदेशों से लौटे और धनाढ्य वर्ग की थाली की शोभा बढ़ाने लगे, तो इनके प्रति दिलचस्पी बढ़ी। सरकार भी इनके उत्पादन के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। मोटे अनाज की कैटिगरी में ज्वार, बाजरा, रागी मंडुआ, जौ, कोदो, सामा, बाजरा, सांवा, कुटकी, कांगनी और चीना जैसे अनाज आते हैं। सवाल यह है कि भारत सहित दुनिया के देश मोटे अनाज की खेती पर जोर क्यों दे रहे हैं? असल में, मोटापा, दिल की बीमारियों, टाइप-2 डायबीटीज, कैंसर से पीड़ित लोगों को डायटीशियन मोटे अनाज को अपने भोजन में शामिल करने की सलाह देते हैं। इनमें कई गुना अधिक पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसीलिए मोटे अनाज को सुपर फूड भी कहा जाता है। मोटे अनाज में फाइबर ही नहीं, विटामिन-बी, जिंक, आयरन, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं। मोटे अनाजों से बने उत्पाद- बेबीफूड, बेकरी, ब्रेकफास्ट आदि बेचकर चीन मोटी कमाई कर रहा है। यह तब है जब वह दुनिया का मात्र 9 फीसदी ही मोटा अनाज पैदा करता है।एक समय मोटे अनाज की चपाती, इडली, डोसा बनाए जाते थे। आधुनिक किस्म के स्नैक्स और प्रचलित स्वाद के अनुसार मोटे अनाज की खपत बढ़ाई जा सकती है। ऐसे में मोटे अनाज पर आधारित प्रोसेस्ड फूड की इकाइयों में व्यापक स्तर पर निवेश करना फायदेमंद हो सकता है। मोटे अनाज की खेती देश के गरीब किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। इसमें महंगे रासायनिक खाद और कीटनाशकों की जरूरत नहीं पड़ती। मोटे अनाज देश के पर्यावरण के लिए भी अनुकूल हैं। हाल के वर्षों में मोटे अनाजों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके उत्पादक किसानों को अपनी उपज का बेहतर दाम भी मिल रहा है।

मोटे अनाजों की फसलें प्रतिकूल मौसम को भी झेल सकती हैं। अच्छी फसल के लिए ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती है। भारत में तो हजारों साल से ये अनाज भोजन का अनिवार्य हिस्सा रहे हैं। हमारी पीढ़ी जो पांच-छह दशक पहले बड़ी हो रही थी, उनमें से बहुतों ने बचपन में ज्वार, बाजरा, जौ, मक्का की चूल्हे पर सिंकी स्वादिष्ट रोटियां खूब खाई हैं। बाजरे की खिचड़ी, घी मिलाकर बनाए इसके लड्डू, समा के चावल भी भोजन का हिस्सा रहे हैं। गेहूं की रोटी में भी चने का आटा मिलाकर खाया जाता था, जिसे मिस्सा आटा कहते थे।

वैश्विक स्तर पर मोटे अनाज के उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी करीब 40 फीसदी है। भारत ने कुछ मोटे अनाजों को हजारों साल पहले अपना लिया था। इनका जिक्र प्राचीन वैदिक साहित्य में भी मिलता है। यजुर्वेद में प्रियंगव, श्याम-मक्का और अनवा का उल्लेख है। लेकिन हरित क्रांति के बाद गेहूं और धान जैसे अनाजों की पैदावार में भारी इजाफा हुआ। नतीजतन मोटे अनाज की खेती के प्रति किसानों का रुझान घटता चला गया। बहरहाल, गेहूं-चावल की बढ़ी हुई पैदावार का हमारे परंपरागत खान-पान की आदतों पर भी बहुत प्रभाव पड़ा।

केन्द्र सरकार की तरफ से किसानों को मोटे अनाज की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि ज्यादा उत्पादन हो और मोटा अनाज हर वर्ग की पहुंच में आ जाए। केंद्र सरकार ने बाजरा सहित संभावित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने और पोषक अनाजों की सप्लाई चेन की मुश्किलों को दूर करने के लिए पोषक अनाज निर्यात संवर्धन फोरम का गठन किया है।

प्रवासी भारतीयों ने सिर्फ एक साल में भारत भेज दिया 100 अरब डॉलर

पाकिस्तान बैठ कर डेढ़ साल खा सकता था

इंदौर। एजेंसी

दुनिया भर में रहने वाले भारतवंशियों ने सिर्फ 2022 में ही 100 अरब डॉलर भारत भेज दिया। इतने पैसे में तो पाकिस्तान डेढ़ साल तक बैठ कर खा सकता था। जी हां, वहां हर महीने करीब छह अरब डॉलर का आयात बिल होता है। पाकिस्तान में डॉलर की कितनी तंगी है, इसका अंदाजा इसी बात से मिलता है कि वहां इस समय महज छह अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार बचा है। यह आंकड़ा बीते 19 दिसंबर तक का है।

वित्तमंत्री सीतारमण ने दी जानकारी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बताया कि वर्ष 2022 के दौरान भारतवंशियों ने करीब 100 अरब डॉलर भारत भेजा। यह पिछले साल के मुकाबले 12 फीसदी ज्यादा है। सीतारमण ने इंदौर में आयोजित हो रहे ''प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन'' के एक सत्र के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया ''कोविड-19 महामारी शुरू होने के बाद 2022 के दौरान भारतवंशियों ने विदेश से देश में लगभग 100 अरब अमेरिकी डॉलर भेजे जो 2021 के मुकाबले 12 प्रतिशत ज्यादा है।'' उन्होंने कहा, ''लोगों ने सोचा था कि महामारी के प्रकोप के चलते भारत लौटे पेशेवर शायद लौटकर विदेश नहीं जाएंगे, लेकिन वे वहां पहले के मुकाबले ज्यादा तादाद में रोजगार के लिए गए और पहले के मुकाबले ज्यादा रकम देश में पहुंचाई।''

भारत के वास्तविक राजदूत

वित्त मंत्री ने प्रवासी भारतीयों को ''भारत का वास्तविक राजदूत'' करार दिया और उनसे अपील की कि जहां तक संभव हो सके, वे भारत में बने उत्पादों और सेवाओं का इस्तेमाल करें ताकि देश के अलग-अलग ब्रांड का दुनिया भर में प्रचार हो सके। उन्होंने कहा कि भारतवंशियों द्वारा देश के छोटे-बड़े कारोबारियों के साथ भागीदारी भी की जानी चाहिए ताकि आजादी के अमृत काल के दौरान अगले 25 साल में प्रवासी भारतीयों के उद्यमिता कौशल को भुनाया जा सके।

भारत का बढ़ रहा है दबदबा

सीतारमण ने यह भी कहा कि ''चीन प्लस वन'' नीति के बाद दुनिया अब ''यूरोपीय संघ (ईयू) प्लस वन'' नीति की बात भी कर रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के सामने भारत को ऐसे देश के रूप में पूरी मजबूती से प्रस्तुत कर रही है जहां वे चीन और ईयू के अलावा अपने कारखाने लगा सकती हैं। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीक, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर डिजाइनिंग, दवा निर्माण व अन्य क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों के दबदबे का हवाला देते हुए कहा कि देश ज्ञान और प्रगति का वैश्विक केंद्र बन रहा है।

चार आई पर ध्यान केंद्रित

वित्त मंत्री ने कहा, ''आजादी के अमृत काल में आकांक्षाओं से भरा भारत चार ''आई'' पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। इनमें इंफ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढांचा), इन्वेस्टमेंट (निवेश), इनोवेशन (नवाचार) और इन्क्लूजन (समावेशन) शामिल हैं।''

1 अप्रैल से पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिलाया जायेगा: हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की कुछ चुनिंदा जगहों पर 01 अप्रैल, 2023 से एथनॉल वाला पेट्रोल मिलना शुरू हो जाएगा। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का कहना है कि देश में चरणबद्ध तरीके से ‘20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण के साथ वाहनों में उपयोग के लिए मिलेगा। वही मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके प्रथम चरण की शुरूआत 1 अप्रैल, 2023 से होने जा रही है। यह देश के कुछ शहरों में मिलना शुरू होगा। इसके बाद धीरे-धीरे इसे देशभर में लागू करने की योजना है।

शुरुआत कैसे होगी?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, देश के कुछ चुनिंदा शहरों के पेट्रोल पंपों को इस काम के लिए चुना जाएगा, जहां पर इस ईंधन को आम जनता के इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। मंत्रालय की प्रस्तावित योजना लागू होने से पेट्रोल में एथनॉल मिलाने के सरकार के प्लान को बल मिलेगा, जिसमें 2025-26 एथनॉल आपूर्ति वर्ष तक देशभर में कुल पेट्रोल आपूर्ति में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि, इस मिश्रण की अंतिम तिथि पहले 2030 रखी थी, जिसे अब घटाया गया है क्योंकि कच्चे एथनॉल की आपूर्ति बहुत तेजी से हुई है।

एथनॉल की मांग वैश्विक

मंत्री पुरी का कहना है कि भारत 2040 तक एथनॉल की वैश्विक मांग (उर्दत अर्स्ह) में 25 फीसदी हिस्सेदारी करने की राह पर है। भारत ने पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण 2013-14 के 1.53 प्रतिशत से बढ़ाकर 2022 में 10.17 प्रतिशत कर दिया है। साल 2025 तक 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने के लिए देश को 10.2 से 11 अरब लीटर एथनॉल की जरूरत है।

उत्पादन कैसे होगा

देश में एथनॉल की उत्पादन क्षमता को और बढ़ाया जा है। देश को लगभग 14.5 अरब लीटर एथनॉल की जरूरत है। इसमें कुछ उत्पादन का इस्तेमाल स्टार्च और केमिकल उद्योग में किया जाता है। बता दें लगभग 7.6 अरब लीटर एथनॉल का उत्पादन गन्ने से होता है। वहीं 7.2 अरब लीटर उत्पादन अनाज और गैर अनाज आधारित स्रोतों जैसे धान के भूसे आदि से किया जा रहा है।

सयाजी इंदौर ने लेबानीज फूड फेस्टिवल की मेजबानी की

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सयाजी इंदौर के मेडिटेरा में लेबानीज फूड फेस्टिवल की शुरुआत जनवरी से हो चुकी है, जिसका काफी समय से इंतजार भी किया जा रहा था। यह फूड फेस्ट 10 दिनों तक चलेगा, जिसमें विश्वसनीय लेबानीज पकवानों के साथ खानपान शानदार अनुभव मिल सकेंगे। इन पकवानों में वेज/नॉन वेज शावर्मा, हूमस विथ पिता ब्रेड, देजाज शावर्मा, बैकलवा, फलाफेल, लैम्ब केफ्ता आदि उपलब्ध रहेंगे।

श्री प्रसाद राव, डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस ने बताया कि ‘सर्दियों का मौसम लेबानीज खानपान के लिए सबसे सही समय होता है। रूफटॉप पर बैठ कर ठंडी हवा और शहर के शानदार नज़ारे देखते हुए फ्रेश, भरोसेमंद, स्वादिष्ट व्यंजनों, ऐपेटाइज़र और दिलकश डेजर्ट्स का आनंद लें।'' सयाजी इंदौर का मेडिटेरा मनमोहक तनावमुक्त एवं ट्रेंडी रूफटॉप रेस्टोरेंट है, जिसे खास तौर पर मेडिटेरेनियन व्यंजन प्रेमियों के लिए बनाया गया है। रेस्टोरेंट में 35 देशों के मेडिटेरेनियन व्यंजनों की व्यापक रेंज मौजूद है! इसके अलावा, यहां हर व्यक्ति की निजी पसंद के लिए उपयुक्त व्यंजन भी उपलब्ध हैं!

Bank Locker: इस वजह से परेशान हो रहे लोग, अब बैंक लॉकर को करना चाहते हैं बंद

नई दिल्ली। एजेंसी

लोग लंबे समय से बैंक लॉकर्स का इस्तेमाल इमर्जेंसी कैश, महंगे गहने या संपत्ति के कागजात रखने के लिए एक सुरक्षित ठिकाने के तौर पर करते आ रहे हैं। हालांकि, लॉकर के चार्ज में जोरदार बढ़ोतरी और केवाईसी जैसे पेपर वर्क को नियमित रूप से अपडेट करने की जरूरत ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। यह जानकारी एक सर्वे से सामने आई है। लोग अब इसकी लागत बोझ और दूसरे झंझट से छुटकारा पाने के लिए या तो अपने लॉकर के आकार को घटाने या फिर पूरी तरह से इससे दूरी बनाने का मन बनाने लगे हैं। बैंक लॉकरों पर उपभोक्ता की नब्ज और बैंकिंग की बढ़ती लागत को बेहतर ढंग से समझने के लिए, लोकल सर्कल्स ने राष्ट्रीय स्तर पर एक सर्वे किया, जिसे भारत के 303 जिलों में बैंकिंग उपभोक्ताओं से 21,000 से अधिक

प्रतिक्रियाएं मिलीं। उत्तर देने वालों में 63% पुरुष थे जबकि 37% महिलाएं थीं। सर्वे में प्रतिक्रिया देने वालों में 43% महानगरों या टियर 1 जिलों से, 30% टियर 2 जिलों से और 27ऱ टियर 3, 4 और ग्रामीण जिलों से हैं।

- 14% ने कहा बढ़ी हुई दरें चुका रहे हैं लेकिन जल्द ही छोटे लॉकर लेंगे
- 31% ने कहा बढ़ी हुई दरें चुका रहे हैं लेकिन जल्द दूसरे बैंक में करेंगे शिफ्ट
- 14% ने कहा बढ़ी हुई दरें चुका रहे हैं लेकिन जल्द छोड़ देंगे लॉकर
- 39% ने कहा कि नई दरें चुका रहे हैं और आगे इसे जारी रखेंगे
- 2% ने कहा कोई जवाब नहीं दे सकते

इंडियन रेस्टोरेंट का नाम और कमा रहे हैं नेपाली और बंगलादेशी

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रोसेस्ड फूड एंड बीवरेज क्षेत्र के निर्यातक उत्साहित हैं। कोरोना काल के बाद पहली बार उनके चेहरे पर ऐसी उत्साह दिखी है। ऐसा आखिर क्यों नहीं हो। भारतीय प्रेसेस्ड फूड एंड बीवरेज क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी इंडस फूड में इस बार 80 देशों के 1300 से भी ज्यादा बायर्स जो आए हैं। सरकार का कहना है कि इस साल इस प्रदर्शनी के दौरान एक अरब डॉलर से भी ज्यादा के बिजनस डील होने की संभावना है।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी की हुई शुरुआत

ट्रेड प्रोमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रोसेस्ड फूड एंड बेवरेज की यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी रविवार को हैदराबाद में शुरु हुई। इस प्रदर्शनी का यह छठा संस्करण है। इसका उद्घाटन केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने किया। उनके साथ मंत्रालय के ही ज्वाइंट सेक्रेटरी श्रीकर के. रेड्डी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा कि भारत का कृषि निर्यात अच्छी गति से बढ़ रहा है। तब भी देश को प्रोसेस्ड फूड सेक्टर पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इसमें देश का निर्यात बढ़ावा देने की काफी संभावनाएं हैं।

एग्री एंड प्रोसेस्ड फूड एक्सपोर्ट में काफी संभावना

इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा कि भारत से एग्री एंड प्रोसेस्ड प्रोडक्ट का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। पिछले साल भारत ने करीब 50 अरब डॉलर का एग्री एक्सपोर्ट किया। यह भारत के लिए भले ही बड़ी रकम हो, लेकिन यदि दुनिया भर में इस सेक्टर में हो रहे बिजनस के लिहाज से देखें तो यह काफी कम है। दुनिया भर में इस सेक्टर में जो कारोबार हो रहा है, उसमें हमारी भागीदारी महज एक फीसदी है। इसलिए इस सेक्टर में भारत के लिए काफी संभावनाएं हैं। हमें इसे बढ़ा कर कम से कम 10 फीसदी तो करना ही होगा। इससे न सिर्फ भारतीय निर्यातकों का कारोबार बढ़ेगा बल्कि भारतीय किसानों की भी आमदनी बढ़ेगी।

इंडियन रेस्टोरेंट के नाम पर नेपाली और बंगलादेशी कमा रहे हैं

इस अवसर पर टीपीसीआई के फाउंडर चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि दुनिया भर में इंडियन कूजिन के कद्रदां बढ़ रहे हैं। बस जरुरत है उनके टेस्ट के हिसाब से इंडियन कूजिन को बढ़ावा देने की। उनका कहना है कि इस समय रूस, जापान, अमेरिका और यूरोपीय देशों में इंडियन रेस्टोरेंट की खूब डिमांड बढ़ रही है। उन देशों में इंडियन रेस्टोरेंट के नाम पर नेपाली और बंगलादेशी कूक इंडियन कूजिन बना रहे हैं। उनके बनाए फूड में कहीं भी आथेंटिसिटी नहीं है। इसलिए ग्लोबल लेवल पर इंडियन कूजिन को बढ़ावा देने की जरुरत है। इसके साथ ही फूड सेक्टर में ग्लोबल इंडियन ब्रांड भी बनाने की जरुरत है।

इस बार कुछ नए देशों के भी आए बायर्स

इंडस फूड ने इस बार कुछ नए देशों के बायर्स को भी जोड़ा है। इन देशों में फ्रेंच गिनी, मंगोलिया, पापुआ न्यू गुआना, सेशेल्स, सिएरा लियोन, सेंट मार्टेन, सीरिया, टोगो और तुर्कमेनिस्तान जैसे देश हैं। इसके अलावा रूस, जापान, साउथ अफ्रिका, पश्चिम एशियाई देश आदि के पारंपरिक बायर्स तो आए हैं ही।

मोटे अनाज पर विशेष ध्यान

टीपीसीआई का कहना है कि इस बार के इंडस फूड प्रदर्शन का जोर मोटे अनाजों पर है। दरअसल, सरकार इस साल को मिलेट इयर के रूप में कना रही है। इसलिए इंडस फूड में भी इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दरअसल, भारत को दुनिया भर में उत्पादों की विशाल विविधता वाले शाकाहारी भोजन की भूमि के रूप में माना जाता है। इसलिए हम पेड़-पौधों से प्राप्त प्रोटीन पर भी ध्यान दे रहे हैं।

इससे पहले ग्रेटर नोएडा में हुआ था आयोजन

इससे पहले, पांचवें इंडस फूड 2022 का आयोजन इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट, ग्रेटर नोएडा में 8 से 10 जनवरी के बीच आयोजित हुआ था। कोरोना प्रतिबंधों के बीच आयोजित हुए उस कार्यक्रम के दौरान करीब 350 भारतीय निर्यातकों की भागीदारी देखी गई। यदि इंटरनेशनल बायर्स की बात करें तो उस साल 60 से अधिक देशों के 800 से अधिक खरीदार आए थे।

एक साल के निचले स्तर पर आई महंगाई, खाने-पीने की चीजों के दाम घटे

नई दिल्ली। एजेंसी

महंगाई के मोर्चे पर बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। पिछले साल दिसंबर में महंगाई घटकर एक साल के निचले स्तर पर दर्ज हुई है। गुरुवार को जारी हुई सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। भारत की खुदरा महंगाई दिसंबर, 2022 में घटकर 5.27 फीसदी पर आ गई। विशेष रूप से खाने की चीजों में महंगाई कम हुई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर, 2022 में 5.88 फीसदी रही थी। वहीं, एक साल पहले दिसंबर, 2021 में यह 5.66 फीसदी रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 4.19 फीसदी रही। यह इससे पिछले महीने नवंबर में 4.67 फीसदी थी। खुदरा महंगाई जनवरी, 2022 से लगातार रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर छह फीसदी से ऊपर रहने के बाद नवंबर में घटकर 5.88 फीसदी और दिसंबर में 5.72 फीसदी रही।

खाद्य महंगाई में आई गिरावट

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के चलते महंगाई में यह गिरावट आई है। मुख्य रूप से सब्जियों की कीमतों में कमी आई है। इसने महंगाई को सहनीय स्तर तक बनाए रखा है। इन्फ्लेशन बास्केट में फूड इन्फ्लेशन का 40 फीसदी हिस्सा होता है। यह दिसंबर में 4.19 फीसदी पर रही। नवंबर में यह 4.67 फीसदी पर रही थी।

सरकार ने यह दिया है आरबीआई को टार्गेट

सरकार ने आरबीआई को खुदरा महंगाई को 2 फीसदी के उतार-चढाव के साथ 4 फीसदी पर बनाए रखने का टार्गेट दिया हुआ है। यह टार्गेट पांच साल की अवधि के लिए है, जो मार्च 2026 में पूरी होगी। अमेरिका में भी दिसंबर की खुदरा महंगाई में गिरावट आने की उम्मीद है। ये आंकड़े आज शाम जारी होंगे।

बढ़ा देश का औद्योगिक उत्पादन

महंगाई के साथ ही औद्योगिक उत्पादन के मोर्चे पर भी अच्छी खबर है। इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन (घ्ष्ट्) बेस्ड औद्योगिक उत्पादन नवंबर में 7.1 फीसदी की दर से बढ़ा है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। अप्रैल से नवंबर महीने की अवधि में देश के औद्योगिक उत्पादन में 5.5 फीसदी की दर से इजाफा हुआ। अक्टूबर में भारत का आईआईपी 4 फीसदी की दर से गिरा था। वहीं, नवंबर 2021 में आईआईपी एक फीसदी की दर से बढ़ा था।

टाटा मोटर्स ने शुरू की ऐ & ईवी की डिलीवरी,लास्ट-माइल डिलीवरी में होगा नये युग का आगाज़

नई दिल्ली। भारत में कमर्शसयल व्हीकल बनाने वाली बडी कंपनी टाटा मोटर्स ने नये ऐस ईवी (इलेडरिक वाहन) की डिलीवरी शुरू करके इंट्रा सिटी टांसर्पोटस के लिए परिवहन के स्थाई समाधान प्रदान करने की दिशा में एक कदम बढाया है। ऐस ईवी भारत का एडवांस, शून्य उत्सर्जनकरने वाला, फोर-व्हील का छोटा कमर्शिसयल वाहन है। क्रांतिकारी ऐस ईवी का पहला बेडा अग्रणी ई-कॉमर्स, एफएमसीजी और कुरियर कंपनियों तथा उनके लॉजिस्टिक प्रदाता अमेज़न, डिल्हीवरी, डीएचएल फैडक्स, फ्लिपकार्ट, आदि को दिया गया है। नये ऐस ईवी को मई 2022 में पेश किया गया था और इसे इनके यूजर्स के साथ मिलकर विकसित किया गया था और इसने बाजार के असली कठोर परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। काफी मेहनत से तैयार किये गये एक इकोसिस्टम से समर्पित ऐस ईवी परेशानी से मुक्त ई-कार्गो परिवहन के लिये एक संपूर्ण समाधान और 5 साल के व्यापक मॅटिनेन्स पैकेज के साथ आता है। 100% अपटाइम के साथ इसके मजबूत प्रदर्शन को ग्राहकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। ऐस ईवी के सहायक इकोसिस्टम में चार्जिंग के बुनियादी ढांचे का विकास और स्थापना, बेड़े के अधिकतम अपटाइम के लिये समर्पित इलेक्ट्रिक व्हीकल सपोर्ट सेंटर्स की स्थापना, बेड़े के बेहतरीन प्रबंधन के लिये अगली पीढ़ी के समाधान टाटा फ्लीट एज की स्थापना, टाटा समूह की संबद्ध कंपनियों के सक्षम बनाने वाले और प्रमाणित इकोसिस्टम टाटा यूनिवर्स का समर्थन, और वित्तपोषण के लिये देश के अग्रणी फाइनेंसर्स के साथ भागीदारियाँ शामिल हैं। ेस ईवी के पहले बेड़े को हरी झंडी दिखाते हुए, टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक श्री गिरीश वाघ ने कहा, 'भारत की सड़कों पर ऐस ईवी का आना शून्य-उत्सर्जन वाले कार्गो परिवहन के सफर में एक बड़ा कदम है। हमारे भागीदारों के साथ मिलकर बनाया गया यह संपूर्ण समाधान अंतर्शहरी वितरण की विभिन्न जरूरतों को प्रभावी तरीके से पूरा करता है और सभी साझीदारों को शानदार लय प्रस्ताव प्रदान करता है। अपने ग्राहकों के भरोसे और समर्थन के लिये हम आभारी हैं। ऐस ईवी को मिली प्रोत्साहक प्रतिक्रिया हमें स्थायी परिवहन के लिये अपने प्रयासों को गति देने और नेट-जीरो से जुड़ी देश की आकांक्षाओं में सहयोग देने के लिये प्रेरित करती है।

इंदौर शहर में खुल सकता है लुलु मॉल

भारत में बड़े निवेश की तैयारी कर रहा ग्रुप

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में अब लुलु मॉल एक काफी जाना-पहचाना नाम बन गया है। लुलु ग्रुप 22 देशों में 232 स्टोर्स ऑपरेट करता है। भारत में इस ग्रुप के 5 मॉल्स हैं। ये कोई साधारण मॉल्स नहीं हैं। ये काफी बड़े एरिया में फैले हुए मॉल्स हैं। उत्तर प्रदेश के बाद अब लुलु मॉल मध्य प्रदेश में भी अच्छा-खासा निवेश करने की ओर कदम बढ़ा रहा है। एम. ए. यूसुफ अली लुलु ग्रुप के चेयरमैन और एमडी हैं। अली ने हाल ही में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की है। यह मुलाकात राज्य में फूड प्रोसेसिंग सेंटर, कृषि खरीद केंद्र और इंदौर में एक मॉल स्थापित करने के बारे में थी। इसके साथ ही अब इंदौर में लुलु मॉल को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। लुलु ग्रुप मध्यप्रदेश में होटल्स, हाइपरमार्केट्स और कन्वेंशन सेंटर्स में भी निवेश करने में रुचि दिखा रहा है।

यूएई का ग्रुप और मालिक भारत से

लुलु ग्रुप यूएई का ग्रुप है। अबुधाबी में इसका मुख्यालय है। लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि लुलु ग्रुप के मालिक यूसुफ अली भारत से हैं। यूसुफ केरल के त्रिशूर जिले में नाट्टिका के रहने वाले हैं।अली का जन्म 15 नवंबर 1955 को हुआ था। उनकी स्कूलिंग करनचिरा के सेंट जेवियर्स हाई स्कूल से हुई थी। इसके बाद उन्होंने बिजनस मैनेजमेंट और एडमिनिस्ट्रेशन में डिप्लोमा किया। पढ़ाई पूरी कर वे साल 1973 में अबू धाबी चले गए, जहां उनके चाचा रहते थे। इसके बाद उन्होंने लुलु हाइपरमार्केट की शुरुआत की। उन्होंने अपना पहला हाइपरमार्केट 1990 के दशक में शुरू किया था। उनका परिवार अब अबूधाबी में रहता है।

देश में 12 और मॉल खोलना चाहता है लुलु ग्रुप

इस समय लुलु ग्रुप के देश में 5 मॉल है। लुलु ग्रुप अगले तीन साल में भारत में 12 और मॉल खोलना चाहता है। लुलु ग्रुप ने अब तक भारत में शॉपिंग मॉल में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह ग्रुप 19,000 करोड़ रुपये का निवेश और करने जा रहा है। इस समय लुलु ग्रुप के पांच मॉल कोच्चि, त्रिवेंद्रम, त्रिशूर, बेंगलुरु और लखनऊ में हैं। ग्रुप उत्तर प्रदेश में चार और मॉल या हाइपरमार्केट खोलने की योजना बना रही है। इनमें नोएडा, वाराणसी , प्रयागराज और कानपुर शहर शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी की नोएडा में एक फूड प्रोसेसिंग यूनिट खोलने की भी योजना है।

अब दायें हाथ में भी पहन सकेंगे रिस्ट वॉच, ऐसी घड़ी जो एंटी क्लॉकवाइज चलती है

नई दिल्ली। एजेंसी

रिस्ट वॉच यानी कलाई घड़ी। आपने इसका कभी न कभी उपयोग जरूर किया होगा। आमतौर पर लोग इसे बायें हाथ में पहनते हैं। इस हाथ में इसलिए क्योंकि घड़ी की सूई क्लॉकवाइज मतलब कि बायें से दाईं तरफ चलती है। यदि घड़ी को दाहिने हाथ की कलाई पर बांध लिया जाए तो इसे देखने में असुविधा होती है। लेकिन अब एक ऐसी भी घड़ी बन गई है जिसे आप दाहिने हाथ में भी बांध सकते हैं। इस घड़ी की सूई दायें से बाईं तरफ घूमती है। मतलब कि एंटी क्लॉक वाइज। इसे गुजरात के आदिवासियों ने बनाई है। इस घड़ी का नाम ट्राइबल वॉच दिया गया है।

क्यों बनाई ऐसी घड़ी

एक खबर के मुताबिक इस घड़ी को बनाने का श्रेय गुजरात में तापी जिले के डोलवन तालुका में रहने वाले प्रदीप पटेल उर्फ पिंटू (32) को जाता है। उन्होंने अपने मित्र भरत पटेल (30) की सहायता से इसे बनाया है। क्यों बनाई ऐसी घड़ी, इसके जवाब में पटेल कहते हैं यह घड़ी प्रकृति के अनुरुप चलती है। उनका कहना है कि प्रकृति में सब कुछ दायें से बायें ही होता है। सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा दायें से बायें ही करते हैं। आदिवासियों का समूह नृत्य दायें से बायें ही होता है। यहां तक कि आदिवासियों का सारा रिचुअल्स दायें से बायें ही होता है। इसलिए इसे इस तरह से बनाया गया है कि घड़ी में घंटा, मिनट और सेकेंड की सूई एंटी क्लॉकवाइज ही घूमती है।

घड़ी का नाम दिया ट्राइबल वॉच

पिंटू ने इस घड़ी का नाम 'ट्राइबल वॉच' दिया है। इस घड़ी का जो नया मॉडल आ रहा है, उसमें एक आदिवासी पुरुष का फोटो है और उसके नीचे कैप्शन दिया गया है 'जय आदिवासी'। इस घड़ी को वंसदा से कांग्रेस विधायक अनंत पटेल ने बीते मंगलार को नवसारी स्थित सर्किट हाउस में लॉन्च किया। आगामी 13 से 15 जनवरी तक छोटा उदेपुर के कावंत में आयोजित होने वाले आदिवासियों के तीन दिवसीय कार्यक्रम आदिवासी एकता परिषद में इस घड़ी को बिक्री और प्रदर्शन के लिए रखी जाएगी। विधायक पटेल का कहना है कि आने वाले दिनों में गुजरात के 14 जिलों में रहने वाले आदिवासी समुदाय के लोगों को यह घड़ी बनाना और बेचने की ट्रेनिंग दी जाएगी।

कैसे आया यह घड़ी बनाने का विचार

पिंटू के मन में दो साल पहले एंटी-क्लॉकवाइज घड़ी बनाने का विचार आया। हुआ ऐसा कि वह अपने एक दोस्त, विजयभाई चौधरी के घर गए थे। उनके यहां एक पुरानी घड़ी थी, जिसकी सूइयां विपरीत दिशा में चल रही थी। जब उन्होंने इसके बारे में पूछा, तो पता चला कि यही प्रकृति का चक्र। इस घटना ने इसने पिंटू को प्रेरित किया। फिर उन्होंने एक घड़ी की दुकान में घड़ीसाज का काम करने वाले भरत पटेल के साथ इस पर काम शुरू किया। महीनों के रिसर्च और कड़ी मेहनत के बाद, उन्होंने बीते दिसंबर में इस रिस्ट वॉच को बनाने में सफलता प्राप्त की।

घड़ी की कीमत 700 रुपये

पिंटू बताते हैं कि अभी सीमित संसाधनों से करीब 1,000 रिस्ट वॉच को बना लिया गया है। इस घड़ी के सात अलग-अलग मॉडल तैयार किए गए हैं।इनकी कीमत 700 रुपये से 1,000 रुपये के बीच है। इस घड़ी के प्रोडक्शन बढ़ाने के सवाल पर पिंटू पटेल कहते हैं कि इसके लिए उन्हें फंड की जरूरत है। इस समय उन्हें 5,000 घड़ियों का आर्डर तो मिला है। लेकिन प्रोडक्शन के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं।

ब्रिटानिया मैरी गोल्ड माई स्टार्टअप ने सीज़न 4.0 लॉन्च किया

डिजिटल बिज़नेस स्किलिंग प्रदान करने के लिए गूगल के साथ गठबंधन

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ब्रिटानिया मैरी गोल्ड का माई स्टार्टअप अभियान महिलाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए फंड और कौशल विकास की मदद देते हुए तीन सफल सीज़न पूरे कर चुका है। सीज़न 2 में एनएसडीसी के साथ गठबंधन द्वारा 10,000 महिलाओं को इन्फॉर्मेशन एवं कम्युनिकेशन टेक्नॉलॉजी (आईसीटी) की मदद से बेसिक कम्युनिकेशन स्किल्स, वित्तीय साक्षरता, और सामाजिक एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए माईक्रो एंट्रप्रेन्योरियल स्किल्स प्रदान की गईं। सीज़न 3 में ब्रिटानिया मैरी गोल्ड माई स्टार्टअप अभियान का विस्तार किया गया और महिलाओं को अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए इंटरनेट का उपयोग करने में मदद की गई। मॉम्सप्रेसो के साथ इंडियन होममेकर्स एंट्रप्रेन्योरशिप रिपोर्ट 2021 के मुताबिक अपना व्यवसाय स्थापित करने की इच्छुक 77 प्रतिशत गृहणियां टेक्नॉलॉजी को बहुत मददगार मानती हैं।

सीज़न 4 का मुख्य हाईलाईट यह है कि सभी प्रतिभागियों को गूगल का वीमैनविल कार्यक्रम उपलब्ध होगा, जो एक बिज़नेस साक्षरता कार्यक्रम है और 'हाउ टू' पाठ्यक्रम के साथ रुचि को व्यवसाय में बदलना, उद्यम का प्रबंधन करना, और व्यवसाय की वृद्धि करना सिखाता है। यह कार्यक्रम पूरा करने वाली सभी महिलाओं को एक सर्टिफिकेट दिया जाएगा। ब्रिटानिया मैरी गोल्ड माई स्टार्टअप प्रतियोगिता 4.0 के बारे में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अमित दोशी ने कहा, ''ब्रिटानिया का भारत की महिलाओं के साथ दशकों से गहरा संबंध है। हमें मैरी गोल्ड माई स्टार्टअप अभियान के तीन सफल सीज़न चलाने पर गर्व है, जिसके लिए हमें पूरे भारत से लगभग 4मिलियन महिलाओं के आवेदन मिले, जिनमें से 60 प्रतिशत महिलाएं नॉन-मेट्रो शहरों से हैं। इस साल हमें गूगल के साथ गठबंधन करने की खुशी है। हमें विश्वास है कि उनकी विशेषज्ञता लाखों महिलाओं को अपना व्यवसाय बढ़ाने और सतत बनाने में मदद करेगी, जिसमें हम निरंतर सहयोग व मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। हमें उम्मीद है कि हम मिलकर हर महिला उद्यमी को आवश्यक संबल प्रदान कर सकेंगे।''

ब्रिटानिया के साथ गठबंधन के बारे में शालिनी पुचलापल्ली, डायरेक्टर, गूगल कस्टमर सॉल्यूशंस, गूगल इंडिया ने कहा, ''टेक्नॉलॉजी व्यवसाय बढ़ाने में मदद कर सकती है, लेकिन ऐसा तभी हो सकता है, जब उन व्यवसायों का नेतृत्व करने वाले और उन्हें चलाने वाले लोगों के पास सही कौशल हो। हमसे जुड़ी महिला उद्यमियों, चाहे वो छोटा व्यवसाय चलाती हों, निर्माता हों, विकासकर्ता हों या स्टार्टअप, उन सभी को अपने उत्पादों और प्लेटफॉर्म एवं वीमैनविल जैसे कौशल कार्यक्रमों द्वारा सहयोग देने की हमारी यही प्रेरणा है। हमें लगातार दूसरे सीज़न के लिए माई स्टार्टअप प्रतियोगिता द्वारा इन नए होमप्रेन्योर्स को यह विशेष पाठ्यक्रम प्रदान करने की खुशी है और हम उन सभी की सफलता की कामना करते हैं।''

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने प्रोटो परीक्षा और व्यवहार्यता अध्ययन के लिए हाइड्रोजन ईंधन सेल मॉड्यूल की आपूर्ति की

देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता तथा कार्बन न्यूट्रल लक्ष्यों में योगदान किया

बैंगलूर। आईपीटी नेटवर्क

ऊर्जा आत्मनिर्भरता और कार्बन न्यूट्रैलिटी (तटस्थता) हासिल करने में सहायता करते हुए भारत के राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन का समर्थन किया टीकेएम ने प्रोटो परीक्षा और व्यवहार्यता अध्ययन के लिए फ्यूल सेल कमर्शियल व्हेकिल (एफसी-सीवी) बनाने के लिए अशोक लीलैंड को एक फ्यूल-सेल मॉड्यूल की आपूर्ति की। सब के लिए खुशियां पैदा करने के अपने मिशन के अनुरूप, टोयोटा हरित और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का विकास करता रहा है। इस तरह, भिन्न क्षेत्रों में निरंतरता को बढ़ावा दे रहा है। कंपनी अपने इस मिशन से एक भविष्य-प्रमाणित स्थायी समाज की स्थापना में योगदान करना चाहती है जो प्रकृति के अनुरूप हो। विद्युतीकृत और अन्य हरित वाहन प्रौद्योगिकी में अग्रणी होने के नाते, कंपनी प्रत्येक देश/क्षेत्र में विद्युतीकृत और वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों की पेशकश करने का प्रयास करती है ताकि सीओटू उत्सर्जन न्यूनतम हो। इसके लिए ऊर्जा के उत्पादन, बुनियादी ढांचे की तैयारी और प्रत्येक देश / क्षेत्र में उपभोक्ताओं द्वारा इन्हें अपनाने का ख्याल रखा जाता है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर टोयोटा 2050 तक कार्बन तटस्थता के लिए प्रतिबद्ध है और 2035 तक विनिर्माण कार्यों में नेट कार्बन जीरो हासिल करने का लक्ष्य है। फुएल सेल इलेक्ट्रिक व्हेकिल्स (एफसीईवी) हाइड्रोजन द्वारा संचालित होते हैं और इनके सबसे स्वच्छ ईंधन होने के कारण टेलपाइप से कोई उत्सर्जन नहीं करते हैं। अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ग्रीन हाइड्रोजन उत्पन्न होता है और यह सौर व पवन ऊर्जा के लिए भंडारण आवश्यकताएं मुहैया कर सकता है जो बड़े पैमाने पर तेजी से अपनाए जाने के लिए महत्वपूर्ण है। हाइड्रोजन में बैटरियों के मुकाबले उच्च ऊर्जा घनत्व होता है और यह लंबी अवधि के लिए, ऊर्जा को संग्रहित कर सकता है तथा पोर्टेबल होता है। इस तरह यह विविध अनुप्रयोगों के लिए एक उत्कृष्ट ऊर्जा कैरियर बनता है। इन फायदों के साथ, हाइड्रोजन हमारे देश के ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

लैपटॉप, मोबाइल, ईयरफोन सबका चार्जर एक, सरकार की वन चार्जर पॉलिसी क्यों? क्या पड़ेगा असर

नई दिल्ली। अभी तक आपको अपनी हर डिवाइस के लिए अलग-अलग चार्जर रखने पड़ते हैं। फोन को चार्ज करना हो, लैपटॉप चलाना हो, ईयफोन को चार्ज करना हो इन सबके चार्जर अलग हैं। मोबाइल फोन में भी कई तरह के चार्जर आते हैं। ऐसे में कहीं आने-जाने के दौरान इन सब चार्जरों को लेकर चलना पड़ता है। लेकिन अब आपकी ये समस्या दूर होने वाली है। देश में अलग-अलग डिवाइस के लिए अलग-अलग चार्जर नहीं रखना होगा। सरकार ने इसके लिए कमर कस ली है। वह वन चार्जर पॉलिसी पर अमल करने वाली है। पिछले दिनों इसे लेकर एक बैठक भी हो चुकी है। सरकार की इस वन चार्जर पॉलिसी का आपकी जिंदगी पर क्या असर पड़ेगा? आखिर सरकार इसे क्यों लागू करना चाहती है? दुनिया के बाकी देशों में इसे लेकर क्या हुआ है और इस पॉलिसी के आने के बाद डिवाइस में क्या बदलाव होंगे। आइए आपको बताते हैं।

सरकार क्यों ला रही वन चार्जर पॉलिसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2021 के नवंबर में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी 26) में हिस्सा लिया था। यह सम्मेलन ग्लासगो में आयोजित हुआ था। सम्मेलन में लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंट के कॉन्सेप्ट की बात की थी। अब इस पॉलिसी को मंत्रालय की ओर से उसी पृष्ठभूमि में लाया जा रहा है। पिछले दिनों कॉमन चार्जिंग पोर्ट को लेकर हुई अहम बैठक में सभी स्टेकहोल्डर्स ने सहमति जताई थी। सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के लिए सी टाइप (ए ऊब्ज) चार्जर पर एक राय है। इस पॉलिसी के तहत लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट के लिए एक ही चार्जर होगा। हालांकि, सामान्य या फीचर के लिए अलग चार्जर होगा। स्मार्टवॉच और ईयर बड्स के लिए कैसे सी टाइप चार्जर अप्लाई होगा इसके लिए सरकार की तरफ से सब कमेटी का गठन भी किया गया है। कंपनियां इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने के पक्ष में हैं।

लोगों को होगी सहूलियत

सभी तरह की डिवाइस के लिए एक ही चार्जर होने से लोगों को खासी सहूलियत होगी। लोगों को अलग-अलग चार्जर नहीं रखने पड़ेंगे। टाइप सी चार्जर को सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के लिए कॉमन बनाने की बात चल रही है। हालांकि लोगों को जहां सहूलियत रहेगी वहीं कंपनियों को इस पॉलिसी से नुकसान हो सकता है। कई कंपनियां अपनी पहचान बनाए रखने के लिए नहीं चाहती हैं कि इस तरह की कोई पॉलिसी आए। सरकार की इस पॉलिसी का सबसे ज्यादा असर Apple पर पड़ेगा। Apple का iPhone अभी चार्जिंग के लिए लाइटिंग पोर्ट का इस्तेमाल कर रहा है। इसके लिए दूसरे एंड्रॉयड फोनों के बजाय एक अलग केबल की जरूरत होती है। वहीं अब एप्पल के मोबाइल के साथ लोगों को चार्जर भी नहीं मिलता है। लोगों को चार्जर अलग से खरीदना पड़ जाता है। अगर आपके पास iPhone और MacBook Air M1 है तो आपको दो अलग-अलग चार्जर की जरूरत होती है। इस नई पॉलिसी के आने के बाद यह झंझट खत्म हो जाएगा।

दुनिया के बाकी देश भी बढ़ा रहे कदम

यूरोपीय संघ (EU) ने भी सभी डिवाइस के लिए एक ही चार्जर का प्रस्ताव जून में रखा था। दरअसल यह तर्क ई-कचरे की समस्या से निपटने के लिए है। अभी यूजरों को कई चार्जर रखने पड़ते हैं। दुनिया के बाकी देश जब इस बारे में सोच रहे हैं तो यह भारत के लिए भी एक दबाव बना रहा है। जब दुनिया के बाकी देश इस दिशा में कदम बढ़ाएंगे तो भारत में सरकार को आशंका है कि देश पुराने डिवाइसों के लिए डंपिंग ग्राउंड न बन जाए। ऐसे में सरकार भी इस पॉलिसी को जल्द से जल्द लागू करना चाह रही है।

इस दिन मनाया जाएगा लोहड़ी का पर्व, जरूर करें ये उपाय, घर में बनी रहेगी सुख-शांति

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

सुख-समृद्धि व सौभाग्य का प्रतीक लोहड़ी का पर्व पौष माह के अंतिम दिन मनाते हैं. इस बार 14 जनवरी को लोहड़ी का पर्व मनाया जाएगा. पंजाब समेत विभिन्न राज्यों में लोहड़ी की धूम रहती है. लोहड़ी का पर्व किसानों के लिए बेहद खास होता है. पंजाब में किसानों के लिए लोहड़ी के दिन से ही नये वित्तीय वर्ष की शुरुआत होती है. इस दिन किसान अपनी फसल को अग्नि में समर्पित करके भगवान को धन्यवाद अर्पित करते हैं. इसके अलावा सुख-समृद्धि व भविष्य में उत्तम फसल की कामना करते हैं. धार्मिक दृष्टि से लोहड़ी का बड़ा महत्व है. इस दिन कुछ विशेष उपाय अपनाकर जीवन में सुख-समृद्धि व सौभाग्य प्राप्त कर सकते हैं. आइये जानते हैं लोहड़ी के कुछ ऐसे ही विशेष उपाय.

जीवन का अंधकार होगा दूर

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लोहड़ी पर अग्नि का विशेष महत्व होता है. यह अग्नि पवित्रता व शुभता का प्रतीक होती है. इसलिए लोहड़ी की विधि विधान से पूजा करनी चाहिए. इस दिन अग्नि के साथ महादेवी की पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है. लोहड़ी पर अग्निदेव व महादेवी की उपासना से जीवन का अंधकार दूर होता है और बल, बुद्धि व ज्ञान की प्राप्ति होती है.लोहड़ी पर घर की पश्चिमी दिशा में काले कपड़े पर महादेवी की तस्वीर रखकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं, इसके बाद मां देवी को धूपबत्ती, सिंदूर, बेलपत्र और अन्य पूजन सामग्री अर्पित करें. इससे मां देवी की कृपा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार और सुख-समृद्धि का वास होगा.

घर में रहेगी खुशहाली

महादेवी की पूजा के समय उनको मीठी रेवड़ियां, गजक आदि का भोग लगाएं. इसके अलावा सूखे नारियल के साथ कपूर रखकर अग्नि प्रज्वलित करें और उसमें रेवड़ी, मक्का और मूंगफली डालें. साथ में ओम सती शाम्भवी शिवप्रिये स्वाहा मंत्र का जाप करते हुए इस अग्नि की सात परिक्रमा करें. इससे महादेवी की कृपा दृष्टि से घर में खुशहाली बनी रहेगी.

सुख शांति के लिए

लोहड़ी पर महादेवी के भोग लगाई हुई रेवड़ियों को गरीब कन्याओं को खिलाना चाहिए. इससे घर में अन्न की आपूर्ति बनी रहती है. इस दिन लाल कपड़े में गेंहू बांधकर गरीब ब्राह्मण को देने से आर्थिक स्थिति बेहतर होती है. लोहड़ी की अग्नि में तिल डालकर हवन करने और तिल का दान करने से सौभाग्य मिलता है. लोहड़ी के दिन काली गाय को उड़द की दाल और चावल से बनी खिचड़ी खिलाने से घर में धन संपदा बनी रहती है.

यदि सपने में दिखाई दे गाय तो समझें प्राप्त होने वाला है धन, जानें ये जरुरी बातें

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

एक मनुष्य अपने पूरे जीवनकाल में विभिन्न प्रकार के सपने देखता है। सपने अपना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन स्वप्न शास्त्र को ऐसा मानना है कि सपने आपके भविष्य में होने वाली घटनाओं के बारे में शुभ-अशुभ दोनों प्रकार के संकेत देते हैं। कई बार हमें ऐसे सपने दिखाई देते हैं, जो उठने के बाद भी हमारे दिमाग में रह जाते हैं और कुछ जिन्हें हम पूरी तरह से भूल जाते हैं। ऐसे सपनों को जानने के लिए हम उत्सुक रहते हैं कि आखिर उस सपने के पीछे का अर्थ क्या है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार आने वाला हर सपना अपने साथ कोई ना कोई संकेत जरूर लेकर आता है। इसी कड़ी में आज हम जानेंगे कि यदि आपको सपने में गाय दिखाई देती है तो इस सपने का क्या अर्थ है? आइए जानते हैं।

सपने में गाय देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार यदि आपको सपने में गाय दिखाई देती है तो यह शुभ माना जाता है। धार्मिक ग्रंथो के अनुसार गाय की उत्पत्ति कामधेनु से हुई है। गाय समुद्र मंथन में से निकला एक पवित्र पशुधन है। सपने में गाय दिखाई देने आपके जीवन में सुख-समृद्धि का संकेत माना जाता है। यह इस बात का संकेत भी है कि आपको सफेद रंग से जुड़ी वास्तुओं का व्यापार करना चाहिए।

गाय अपने बछड़े के साथ दिखाई देती है तो यह धन प्राप्ति का संकेत माना जाता है। सावन के महीने में सपने में गाय का दिखाई देना जीवन में नई उमंग और खुशियां आने का संकेत होता है। सपने गाय हरा चारा खाती दिखाई देती है तो यह आपके जीवन के लिए सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। सपने में गाय दूध देती हुई नजर आती है तो यह संकेत होता है कि आपके जीवन में खुशहाली आने वाली है।

वराह पर सवाह होकर आ रही संक्रांति, जानें कैसा रहेगा इस साल का मौसम

आचार्य संतोष भार्गव
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

ज्योतिष गणना के अनुसार सूर्य भगवान एक-एक करके 12 राशियों में प्रवेश करते हैं। जब सूर्य राशि परिवर्तन करते हुए मकर राशि में जाते हैं तो इसे संक्रांति नाम से जानते हैं। सूर्यदेव नए साल में 14 जनवरी की रात को मकर राशि में प्रवेश करने वाले हैं। यहां जानें 12 संक्रांति में से मकर संक्रांति क्यों खास होती है और ज्योतिष के अनुसार साल 2023 में मकर संक्रांति वराह वाहन पर सवार होकर आ रही हैं और उप वाहन वृषभ यानी बैल है।

मकर संक्रांति का मौसम पर होगा ये असर

हिंदू पंचांग के मुताबिक मकर संक्रांति के कारण इस साल पूरी दुनिया के मौसम में काफी उथल-पुथल देखने को मिल सकता है। भारत में कुछ राज्यों में बेहद कम बारिश होगी। वहीं कुछ इलाकों में सूखे का प्रभाव अधिक रहेगा। बदलते मौसम के कारण लोगों की सेहत पर भी इसका बुरा असर देखने को मिलेगा। ज्योतिष के अनुसार साल 2023 का पूरा साल मौसम के लिहाज से काफी उथल-पुथल भरा हो सकता है।

मकर संक्रांति पर उपवाहन होगा वृषभ

साल 2023 में मकर संक्रांति वराह पर सवार होकर आएगी, वहीं उप वाहन वृषभ होगा। वहीं वस्त्र की बात करें तो इस साल मकर संक्रांति का शुभ रंग हरा होगा और पुष्प बकुल होगा। अवस्था वृद्धावस्था, लेपन - चंदन, हथियार - खड्ग, आभूषण - मोती की माला, पात्र - ताम्र पात्र, भिक्षा - अन्न और दिशा पश्चिम से उत्तर की ओर होगा।

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति का इसलिए है महत्व

गौरतलब है कि जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तो मकर संक्रांति होती है। इस दौरान धरती उत्तरी गोलार्ध की ओर गति करने लगती है। भारत उत्तरी गोलार्ध में होने से दिन बड़े और रात छोटी होने लगती हैं। इसके साथ ही सूर्य की रोशनी अधिक समय तक फसलों में रहती हैं।

मकर संक्रांति के दिन इन 4 जगहों पर गंगा स्नान करने से मिलता है पुण्य, होते हैं सारे कष्ट दूर

हर साल 14 जनवरी को मकर संक्रांति मनाया जाता है. इस दौरान दान और स्नान किया जाता है. इस दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है. लोग गंगा स्नान के लिए अलग-अलग जगहों पर जाते हैं. आप गंगा स्नान करने के लिए किन जगहों पर जा सकते हैं आइए जानें.

काशी – काशी को सबसे पुराने शहरों में गिना जाता है. हर साल बड़ी संख्या में लोग मकर संक्रांति के दिन यहां गंगा घाटों पर स्नान करते हैं. आप भी यहां जा सकते है. काशी विश्वनाथ मंदिर में खिचड़ी महोत्सव का आयोजन भी किया जाता है.

गंगा सागर – आप पश्चिम बंगाल में स्थित गंगा सागर भी घूमने का प्लान बना सकते हैं. ऐसा माना जाता कि जो यहां स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय के दान के बराबर फल मिलता है.

हरिद्वार – आप मकर संक्रांति के दिन हरिद्वार भी गंगा स्नान करने के लिए जा सकते हैं. ऐसा माना जाता है कि इस स्थान पर गंगा स्नान करने से सारे पापों से मुक्ति मिलती है. मकर संक्रांति जैसे खास मौके पर हरिद्वार में मेले का आयोजन भी किया जाता है.

त्रिवेणी संगम – आप मकर संक्रांति के दिन प्रयागराज भी जा सकते हैं. यहां शाही स्नान का आयोजन किया जाता है. ऐसा माना जाता है कि यहां स्नान करने से सारे कष्ट दूर होते हैं. यहां पर यमुना, गंगा और सरस्वती जैसी नदियों का संगम होता है.

जापान से आगे निकला भारत... अब चीन और अमेरिका की बारी, आनंद महिंद्रा भी हुए गदगद

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में गाड़ियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वह जापान का पछाड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा वीकल मार्केट बन गया है। सेमीकंडक्टर चिप की कमी के बावजूद पिछले साल यानी 2022 में भारत में 42.5 लाख से अधिक गाड़ियां बिकीं। यह चीन और अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा संख्या है। कोरोना काल के बाद लोगों में पर्सनल वीकल की मांग बढ़ी है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरर्स (SIAM) के मुताबिक पिछले साल जनवरी से नवंबर तक देश में 41.3 लाख गाड़ियां बिकीं। इनमें पैसेंजर और कमर्शियल वीकल्स शामिल हैं। SIAM कमर्शियल वीकल्स के बारे में तिमाही आधार पर आंकड़े जारी करती है। उसने अब तक अक्टूबर-तिमाही के आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

बिजनस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा मोटर्स जैसी ओरिजनल इक्विपमेंट मेकर्स कंपनियां अपने होलसेल और रिटेल सेल्स की तिमाही आंकड़े जारी करती हैं। टाटा मोटर्स ने अब तक अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के आंकड़े नहीं दिए हैं। देश की सबसे बड़ी पैसेंजर कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (Maruti Suzuki India) की दिसंबर में सेल 113,535 यूनिट रही। इस तरह भारत में बिक्री का आकंड़ा पिछले साल 42.5 लाख यूनिट पार कर चुका है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक जापान में पिछले साल 42 लाख गाड़ियां बिकीं जो 2021 की तुलना में 5.6 फीसदी कम है।

कौन है नंबर वन

चीन दुनिया के सबसे बड़ा वीकल बाजार है। वहां पिछले साल 2.675 करोड़ गाड़ियां बिकी जो 2021 की तुलना में 1.7 फीसदी अधिक हैं। इसी तरह अमेरिका में पिछले साल 1.389 करोड़ गाड़ियां बिकीं जो 2021 की तुलना में 7.8 फीसदी अधिक हैं। 2021 में चीन में 2.627 करोड़ गाड़ियां बिकी थीं जबकि चीन में 1.54 करोड़ और जापान में 44.4 करोड़ गाड़ियां बिकी थीं। अगर टाटा मोटर्स और कमर्शियल वाहनों की बिक्री भी जोड़ी जाए तो भारत में पिछले साल गाड़ियों की बिक्री जापान से कहीं अधिक रही। चीन 2006 में जापान को पछाड़कर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा वीकल मार्केट बना था और फिर 2009 में उसने अमेरिका को भी पछाड़ दिया था। 2018 में भारत में 44 लाख गाड़ियां बिकी थीं लेकिन 2019 में यह संख्या 40 लाख रह गई थी। कोरोना के फैलने के बाद 2020 में यह संख्या 30 लाख से भी नीचे आ गई थी। लेकिन 2021 में यह संख्या एक बार फिर 40 लाख के पार पहुंच गई थी। सेमीकंडक्टर चिप की कमी से 2021 में गाड़ियों का प्रॉडक्शन प्रभावित हुआ था। पिछले साल के शुरुआती महीनों में भी चिप की कमी आड़े आई थी।

आनंद महिंद्रा हुए गदगद

जानकारों का कहना है कि भारत में गाड़ियों की बिक्री में अभी भारी ग्रोथ की गुंजाइश है। इसकी वयह यह है कि भारत जल्दी ही दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बनने जा रहा है। देश में अभी केवल 8.5 फीसदी परिवारों के पास ही गाड़ी है। यानी आने वाले दिनों में भारत पहले अमेरिका और फिर चीन से भी आगे निकल सकता है। इस बीच महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने इस पर एक मजेदार ट्वीट किया है। उन्होंने कहा, 'जब मैं 1980 के दशक में बिजनस स्कूल में गया तो दुनिया में जापान की गाड़ियों का बोलबाला था। तब अगर मैंने अपनी क्लास के किसी इंटरनेशनल साथी से कहा होता कि एक दिन भारत आउटपुट के मामले में जापान से आगे निकल जाएगा तो वे मुझ पर हंसते।' हालांकि उन्होंने साथ ही कहा कि क्वालिटी के मामले में हमें अब भी बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।'

ऑटो एक्सपो 2023 में लगातार प्रगति के पथ पर बढ़ रहे भारत की झलक

टाटा मोटर्स ने ज्यादा सुरक्षित, ज्यादा स्मार्ट और पर्यावरण के अनुकूल मोबिलिटी समाधानों की व्यापक रेंज प्रदर्शित की

भविष्य की कल्पना मूविंग इंडिया - सेफर, स्मार्टर, ग्रीनर के तौर पर की महत्वाकांक्षी भारत के लिए सुरक्षा, डिजाइन, क्षमता और सुविधा में नए मानक तय किये

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

प्रतिष्ठित ऑटो एक्सपो 2023 में भारत की सबसे बड़ी ऑटो और मोबिलिटी सोल्यूशन कंपनी, टाटा मोटर्स ने भविष्य के लिए तैयार ज्यादा सुरक्षित, ज्यादा स्मार्ट और पर्यावरण के अनुकूल वाहनों और कॉन्सेप्ट्स की नई रेंज पेश की। इस रेंज को व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक मोबिलिटी और कार्गो ट्रांसपोर्ट को पूरी तरह बदलने के लिए डिजाइन किया गया है। अभियांत्रिकी और नवाचार की बुनियादी मजबूती के साथ, कंपनी में 'मेड इन इंडिया' प्रॉडक्ट्स के निर्माण के लिए काफी जुनून है। कंपनी ने एक मनुष्यों पर केंद्रित हाई-टेक नजरिया अपनाया है। टाटा मोटर्स अपने उपभोक्ताओं को संपूर्ण समाधान और बेहतरीन अनुभव प्रदान कर भारत को नए बहुआयामी आविष्कारों से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा रहा है।

टाटा मोटर्स के पैवेलियन के उद्घाटन और अपने, कॉन्सेप्ट और सोल्यूशंस की व्यापक रेंज को पेश करते हुए टाटा संस के एक्जीक्यूटिव चेयरमैन और टाटा मोटर्स के चेयरमैन श्री एन. चंद्रशेखरन ने कहा, 'हम अपने हर बिजनेस में स्थिरता, ऊर्जा हस्तांतरण और डिजिटलाइजेशन के नेतृत्व में बदलाव की नींव रख रहे हैं। हमारा शून्य उत्सर्जन करने वाली पावर ट्रेन, अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी, आधुनिक डिजाइन इंजीनियरिंग और बेहतरीन सेवाओं पर खास फोकस है। टाटा मोटर्स स्थायी गतिशीलता को अपनाने और 'नेट जीरो' कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को पूरा करने को तेजी दे रही है। ऑटो एक्सपो 2023 में, अपनी नई जमाने की गाड़ियों, कॉन्सेप्ट और स्मार्ट मोबिलिटी सोल्यूशंस के जरिए भविष्य को लेकर हमारा विजन और इसका मैनिफेस्टेशन पेशकर हम काफी गर्व महसूस कर रहे हैं।'

ऑटो एक्सपो 2023 में, टाटा मोटर्स ने लोगों और कार्गो मोबिलिटी दोनों के लिए वाहनों, कॉन्सेप्ट्स और सोल्यूशंस का सबसे बड़ा प्रदर्शन किया है। इससे लगातार आगे बढ़ते भारत की यातायात संबंधी जरूरतों को पूरी तरह से पूरा करने के लिए टाटा मोटर्स की नेतृत्व, प्रतिबद्धता और भविष्य के लिए तैयारी की झलक मिलती है। टाटा मोटर्स ने 2045 तक कमर्शल वाहनों के बिजनेस के लिए नेट-जीरो उत्सर्जन का महत्वांकांक्षी लक्ष्य तय किया। 14 एक्सक्लूसिव वाहनों और कॉन्सेप्ट्स को पेश किया, जो सार्वजनिक वाहनों और माल ढुलाई के लिए भारत के पर्यावरण के अनुकूल, ज्यादा स्मार्ट और सबसे अत्याधुनिक समाधानों की रेंज का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत में पहली बार : प्राकृतिक गैस, इलेक्ट्रिक और हाईड्रोजन द्वारा पावर्ड सीवी सेग्मेंट्स में सार्वजनिक यातायात और माल ढुलाई के लिए पर्यावरण के अनुकूल सबसे व्यापक समाधानों की रेंज । लंबी दूरी तक ट्रक चलाने के लिए डिकार्बनाइजेशन पाथवे कॉन्सेप्ट का प्रदर्शन किया। इसमें प्राइमा रेंज में चार स्वच्छ प्रणोदन की तकनीक (प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी)एकीकृत हैं, जिसमें हाइड्रोजन आईसीई, हाइड्रोजन फ्यूल सेल ईवी, बैटरी ईवी और एलएनजी शामिल हैं।

स्टारबस फ्यूल सेल ईवी- व्यावयासिक प्रयोग के लिए भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल बस प्राइमा ई.55एस- भारत का पहला हाइड्रोजन फ्यूल सेल द्वारा पावर्ड ट्रैक्टर कॉन्सेप्ट प्राइमा एच.55एस-भारत का पहला हाइड्रोजन आईसीई से लैस कॉन्सेप्ट ट्रक शामिल है।

ऑटो एक्सपो 2023 में एमजी मोटर इंडिया ने ड्राइव डॉट अहेड का अनावरण किया

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

एमजी मोटर इंडिया ने ऑटो एक्सपो 2023 में भविष्य की गतिशीलता ड्राइव.अहेड के लिए अपना दृष्टिकोण प्रदर्शित किया भारत में एमजी के दृष्टिकोण के भाग के रूप में कंपनी ने उत्पादन के लिए तैयार 14 वाहनों की एक श्रृंखला का अनावरण किया जो स्थायी, जागरूक और अभिनव प्रौद्योगिकी पर कंपनी का फोकस बताते हैं। इस मौके पर एमजी मोटर इंडिया के प्रेसिडेंट और प्रबंध निदेशक राजीव चाबा ने कहा हम एक ऐसी दुनिया की दिशा में काम करने में विश्वास करते हैं जो टिकाऊ, मानवीय और सहज तकनीक से संचालित हो। हमारा उद्देश्य एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है जहां जागरूकता और चेतना जीवन का एक तरीका हो। यहां प्रदर्शित उत्पादों की हमारी ईवी और एनईवी रेंज भारत में हरित और स्थायी गतिशीलता को तेजी से अपनाने की दिशा में एमजी की प्रतिबद्धता और प्रयासों को प्रदर्शित करती है। उन्होंने आगे कहा आज, ऑटो एक्सपो 2023 में, हम अपने पोर्टफोलियो से विश्व स्तर पर प्रशंसित इन दो वाहनों को अपने ग्राहकों के लिए पेश करके खुश हैं। इन वाहनों की लॉन्चिंग उपभोक्ता अनुसंधान और बाजार प्रतिक्रिया पर आधारित होगी।शो के दौरान कंपनी ने ऑटो-टेक ब्रांड के रूप में अपने रुख का समर्थन करते हुए तकनीकी रूप से उन्नत, उच्च-सुरक्षा और शून्य-उत्सर्जन वाले दो इलेक्ट्रिक वाहनों का भी अनावरण किया। ये दो वाहन हैं एमजी4 और एमजी ईएचएस इनमें पहला एमजी4 एक शुद्ध-इलेक्ट्रिक हैचबैक ईवी है जबकि एमजी ईएचएस, एक प्लग-इन हाइब्रिड एसयूवी है। ये दोनों वाहन देश में ईवी अपनाने को मजबूत करने के लिए एमजी की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। दोनों वाहन, अन्य वाहनों की तरह, एमजी पवेलियन में लाइन-अप के भाग हैं, भविष्यवादी हैं और प्रौद्योगिकी तथा उनके पर्यावरण पदचिह्न के मामले में नवाचार और दूर दृष्टि का मेल हैं और दोनों इस ऑटो एक्सपो के लिए एमजी की थीम ड्राइव डॉट अहेड तथा ईवी पर एक्सपो के फोकस को प्रतिध्वनित करते हैं। दोनों वाहन उन्नत सुरक्षा सुविधाओं और बेहतर ड्राइविंग आराम के साथ आते हैं।

आल न्यू बीएमडब्लू-7 और फर्स्ट एवर बीएमडब्लू आई-7 नई बीएमडब्लू फ्लैगशिप डिजाईन में लांच

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत में सातवीं पीढ़ी की ऑल न्यू बीएमडब्लू-7 सीरीज को फर्स्ट-एवर फुली इलेक्ट्रिक बीएमडब्लू- आई 7 के साथ लॉन्च किया गया है। इसके साथ ही, बीएमडब्लू फ्लैग पेट्रोल, डिजल और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन्स में उपलब्ध होगी। ँ्रें 740आई श स्पोर्ट को स्थानीय स्तर पर बीएमडब्लू ग्रुप प्लांट चेन्नई में उत्पादित किया गया है, जबकि ऑल-इलेक्ट्रिक बीएमडब्लू- आई 7 एक्स ड्राइव 60 पूरी तरह बिल्ट-अप युनिट के रूप में उलपब्ध है। इसका डीजल वैरिएंट बाद में पेश किया जाएगा। इन कारों को बीएमडब्लू इंडिया डीलर्सशिप में बुक किया जा सकता है। डिलिवरी मार्च 2023 से आरंभ होगी। श्री विक्रम पावाह, प्रेसीडेंट बीएमडब्लू ग्रुप इंडिया ने कहा कि, 'बीएमडब्लू- 7 सीरीज की सातवीं पीढ़ी एक टर्निंग प्वाइंट है। यह फॉर्वर्डिज्म' का प्रतीक है और साधारण को लगातार ललकारती है। यह एक अद्भुत गुण है जो भविष्य में आने वाले आकार की विभिष्टता प्रदान करता है। लेकिन एक चीज नहीं बदली है यह अभी भी लग्जरी सेगमेण्ट की सभी चीजों का पैमाना है। ऑल-न्यू 7 नई लग्जरी क्लास डिजाइन लैंग्वेज की पहचान है जो अपनी मौजूदगी, प्रगतिशीलता और भावना के द्वारा चकित करती है। फर्स्ट-एवर फुली इलेक्ट्रिक बीएमडब्लू- आई 7 के लॉन्च होने पर श्री पावाह ने आगे कहा कि, फर्स्ट एवर बीएमडब्लू- आई 7 एक वास्तविक ऑल-इलेक्ट्रिक लग्जरी सिडैन है जो स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि विशिष्ट ड्राइविंग अनुभव को किस प्रकार सस्टेनेबिलिटी के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ जोड़ा जा सकता है।

बजट से पहले महंगाई, पंखा होने वाला है 20% तक महंगा

नई दिल्ली। एजेंसी

अभी उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। इसलिए आप छत में लटके सीलिंग फैन की तरफ ध्यान भी नहीं दे रहे हैं। लेकिन जैसे ही अप्रैल आएगी, पंखे की तरफ आपका ध्यान चला जाएगा। हम आपके काम की एक बात हम बता रहे हैं। अब आप चाहे सीलिंग फैन खरीदिए या टेबल फैन या फर्राटा फैन, सबकी कीमत बढ़ने वाली है। इस तरह के पंखे 20 फीसदी तक महंगे हो सकते है। हालांकि इस प्रोडक्ट से आपकी जेब पर शुरू में भले ही बोझ पड़े, लेकिन इसे चलाना सस्ता पड़ेगा। क्योंकि ये पंखे एनर्जी एफिसिएंट हैं। इन्हें चलाने पर बिजली की 30 से 50 फीसदी तक बचत होगी।

एक जनवरी से स्टार रेटिंग अनिवार्य

आप यदि जागरूक ग्राहक हैं तो स्टार रेटिंग (Star Rating) से जरूर परिचित होंगे। आप रेफ्रिजरेटर या एसी आदि पर स्टार लेबल देखा होगा। अभी तक यह पंखे में अनिवार्य नहीं था। लेकिन इस साल एक जनवरी से बिजली से चलने वाले पंखों को भी इसके दायरे में शामिल कर लिया गया है। मतलब कि अब बिजली से चलने वाले पंखे भी बिजली की कम खपत करेंगे। हालांकि, इसे बनाने का खर्च बढ़ जाएगा। इसलिए अब सीलिंग फैन के दाम में आठ से लेकर 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

क्या है स्टार रेटिंग

भारत सरकार का संगठन Bureau of Energy Efficiency (BEE) ने एनर्जी एफिशिएंट उपकरणों के लिए स्टार रेटिंग की शुरुआत की है। यह संगठन इलेक्ट्रिकल अप्लायंस पर आमतौर पर 1 से 5 स्टार तक की रेटिंग देती है। किसी उपकरण पर जितना ज्यादा स्टार, उतना एनर्जी एफिसिएंट। सबसे उच्चतम रेटिंग 5 है, जिसका अर्थ है सर्वोत्तम गुणवत्ता। उसी तरह 1 या 2 की निम्नतम रेटिंग का अर्थ है निम्न गुणवत्ता, कम कीमत।

बिजली के पंखे आ गए इस दायरे में

बीईई ने जो संशोधित मानक लागू किया है, उसके मुताबिक अब बिजली से चलने वाले पंखों पर स्टार रेटिंग दी जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि एक स्टार रेटिंग वाला पंखा न्यूनतम 30 प्रतिशत बिजली की बचत करता है जबकि पांच स्टार वाला पंखा 50 प्रतिशत से अधिक बिजली बचा सकता है। इसलिए पंखे की कीमत यदि 20 फीसदी बढ़ भी जाती है तो यह जीवन भर आपके पैसे बचाएगा।

इंडस्ट्री की क्या है प्रतिक्रिया

इस बदलाव का हैवल्स, ओरिएंट इलेक्ट्रिक और उषा इंटरनेशनल जैसे प्रमुख फैन मैन्युफैक्चरर ने स्वागत किया है। ओरिएंट इलेक्ट्रिक के MD और CEO राकेश खन्ना ने इसे बड़ा बदलाव बताते हुए कहा है कि स्टार रेटिंग व्यवस्था आने से अब ग्राहकों को अधिक बिजली बचाने वाले सुपीरियर पंखे मिल पाएंगे। लेकिन इसके लिए ग्राहकों को अब अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी क्योंकि बेहतर रेटिंग पाने के लिए पंखों में बेहतर पुर्जे लगाए जाएंगे। उन्होंने कीमतों में सात-आठ प्रतिशत बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है। उषा इंटरनैशनल के एंड दिनेश छाबड़ा ने कहा कि स्टार रेटिंग वाले पंखों के इस्तेमाल से ग्राहकों को बिजली का बिल कम करने में मदद मिलेगी लेकिन इन पंखों की खरीद पर उन्हें अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा, 'उषा कंपनी का एक स्टार रेटिंग वाला पंखा पांच-सात प्रतिशत और पांच स्टार रेटिंग वाला पंखा 20 प्रतिशत तक महंगा हो जाएगा।' हैवल्स इंडिया के अध्यक्ष सौरभ गोयल ने कहा कि नए मानक लागू होने से पंखों की उत्पादन लागत में होने वाली आंशिक बढ़ोतरी का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह बदलाव लोगों को बिजली बचत के बारे में जागरूक करने का एक मौका भी है।

पंखे का बाजार कितने का

देश में बिजली से चलने वाले पंखे का बाजार करीब 10,000 करोड़ रुपये का है। Indian Fan Manufacturers Association (IFMA) की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस सेगमेंट में 200 से अधिक कंपनियां सक्रिय हैं। दिल्ली, अंबाला, कोलकाता आदि शहरों में बिजली से चलने वाले पंखे कुटीर उद्योग की तरह हैं। इन शहरों में कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां घर घर पंखे बनाने का काम होता है।

इनवेनायर ने मध्य प्रदेश के सतपुरा ब्लॉक में सीबीएम ब्लॉक जीता

एमपी में सीबीएम सम्पत्ति में किया जाएगा 500 मिलियन डॉलर का निवेश

इन्दौर। आईपीटी नेटवर्क

निजी इक्विटी द्वारा समर्थन प्राप्त अपस्ट्रीम फर्म, इनवेनायर एनर्जी ने सतपुरा क्षेत्र में सीबीएम ब्लॉक जीता है। इनवेनायर पेट्रोडाईन लिमिटेड (आईपीएल), इनवेनायर एनर्जी की सब्सिडरी कंपनी है, जिसने मध्य प्रदेश में कोल बैड मेथेन (सीबीएम) ब्लॉक एसपी-ओएनएचपी (सीबीएम)- 2021/1 हासिल किया है। इनवेनायर ने मध्य प्रदेश के ब्लॉक में सीबीएम से गैस के उत्पादन के लिए अगले 10 सालों में रु 4,137 करोड़ (500 मिलियन डॉलर) के निवेश की योजना भी बनाई है।एक अनुमान के मुताबिक ब्लॉक के लिए राजस्व को साझा करने वाले अनुबंध में 2 ट्रिलियन क्यूबिक फीट के संसाधान हैं, जिसे सितम्बर में साईन किया गया। कंपनी को इसी माह प्रोडक्शन के लिए लाइसेंस भी मिल गया। पहले चरण में कंपनी ने 2024 के दौरान फ्लो फर्स्ट गैस के लक्ष्य के साथ 350 कुएं ड्रिल करने की योजना बनाई है। एक अनुमान के मुताबिक ब्लॉक से प्रति दिन 3 मिलियन स्टैण्डर्ड क्युबिक मीटर गैस का उत्पादन होगा, जिसका उपयोग इलेक्ट्रॉन्स जनरेट करने, फर्टीलाइज़र, स्टील एवं सीमेंट के निर्माण तथा ऑटोमोबाइल्स के लिए सीएनजी बनाने के लिए किया जाएगा।

सरकार भारत में पर्यावरण के अनुकूल ईंधन को बढ़ावा देने के लिए घरेलु प्राकृतिक गैस के उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित कर रही है, इन लक्ष्यों के तहत देश में प्राकृतिक गैस का योगदान जो वर्तमान में 6.7 फीसदी है, इसे 2030 तक 15 फीसदी तक पहुंचाया जाएगा। सीबीएम देश में पारम्परिक गैस आउटपुट की पूरक होगी। वर्तमान में भारत अपनी गैस की ज़रूरत का तकरीबन आधा हिस्सा आयात करता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्पादन बढ़ने की पूरी संभावना है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और बेतुल ज़िलों के बीच स्थित यह ब्लॉक 1,771 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला है। इसमें 2 ट्रिलियन क्यूबिक फीट अतिरिक्त उत्पादन की क्षमता है। इनवेनायर के पोर्टफोलियो में तीन फील्ड शामिल हैं, हाल ही में खोजे गए छोटे फील्ड के लिए बोली के तीसरे राउण्ड में इसका अधिग्रहण किया गया था। मुंबई ऑफशोर बेसिन में फील्ड, बी66, बी154 और बी203 में 8 तेल भंडार खोजे गए हैं, जहां 344 मिलियन बैरल तेल के भंडार हैं। जो 20 साल की प्राथमिक उत्पादन अवधि के दौरान 110 मिलियन बैरल तेल का उत्पादन करने में सक्षम हैं।

सोनी ब्राविया एक्स 75 के- स्मूद परफ़ॉर्मेंस वाला स्मार्ट टेलीविज़न

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सोनी ब्राविया एक्स 75 के एक प्रीमियम-सेगमेंट टेलीविज़न है, एक ऐसा टेलीविज़न जिसका लुक सबसे अलग है और जो आपकी पसंद के मुताबिक और बिल्कुल असली जैसा ऑडियो-विज़ुअल अनुभव देता है। X75K लाइन-अप में X1 पिक्चर प्रोसेसर है जो एडवांस एल्गोरिद्म इस्तेमाल करके नॉइज़ हटाता है और डिटेल्स बढ़ाता है। यह टेलीविज़न लाइव कलर टेक्नोलॉजी की मदद से बिल्कुल असली जैसे कलर दिखाता है। इसमें है Motionflow XR वाला X-Reality Pro जो 4K व्यूइंग के अनुभव को और भी अधिक साफ़ और स्मूद बनाता है। इस टेलीविज़न में शक्तिशाली X1 प्रोसेसर है और यह एडवांस एल्गोरिद्म इस्तेमाल करके नॉइज़ हटाता है और डिटेल्स बढ़ाता है। और भी साफ़ 4K सिग्नल के साथ, आप जो कुछ भी देखते हैं वह सब कुछ 4K रेज़ोलूशन के और भी करीब होता है, आपको लाइव कलर टेक्नोलॉजी की बदौलत बिल्कुल असली जैसे कलर दिखते हैं, यानि OTT प्लेटफ़ॉर्म पर अपने पसंदीदा शो देखना अब और भी सुहाना अनुभव है। यह टेलीविज़न Motionflow™ XR की मदद से तेज़ गति वाले दृश्यों में भी स्मूद और शार्प डिटेल्स दिखाता है। यह नवीन तकनीक मूल फ्रेम के बीच अतिरिक्त फ्रेम बनाती है और सम्मिलित करती है। यह क्रमानुसार फ्रेम पर प्रमुख दृश्य कारकों की तुलना करती है, फिर अनुक्रमों में अल्प समय के लिए लापता घटनाक्रम की गणना करती है।

स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस ने एसयूडी लाइफ सेंचुरी गोल्ड पेश किया

बढ़ते मीडिल क्लास के लिए महत्वपूर्ण अवसर, भारत की योग्य बीमाकृत आबादी का लगभग 31इ अपने परिवार के सदस्यों को सुरक्षित करने के लिए इस उत्पाद से लाभ उठा सकता है

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस (एसयूडी लाइफ) ने अपने मौजूदा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में प्रोडक्ट -एसयूडी लाइफ सेंचुरी गोल्ड पेश किया है, जो ग्राहकों को उनकी प्रीमियम भुगतान अवधि तय करने की विशेष सुविधा देता है और साथ ही बहुत ही आकर्षक गारंटीड मैच्योरिटी लाभ की पेशकश करता है। 5-30 लाख रुपये की वार्षिक घरेलू आय वाले परिवारों और युवा माता-पिता को इस प्रोडक्ट के साथ अधिक लाभ और बचत प्राप्त होगी। बढ़ता मिडिल क्लास, जो 2004-05 में 14इ था वह 2021 में बढ़कर 31इ हो गया था, और इकोनॉमिक रिसर्च आउटफिट पीआरआईसीई (पीपल रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकोनॉमी) के अनुमान अनुसार ये 2047 तक 63इ तक बढ़ने का अनुमान है, के पास इस उत्पाद का लाभ उठाने का अधिक अवसर है। एसयूडी लाइफ इंश्योरेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ अभय तिवारी ने कहा कि 'एसयूडी लाइफ में, हमारे ग्राहक हमारी प्राथमिकता हैं। हम ऐसे बीमा प्रोडक्ट उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो समाज और भौगोलिक क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों में हमारे ग्राहकों की अनूठी जरूरतों को पूरा करते हैं और जो अनगिनत लोगों के जीवन को छूने वाले हमारे दृष्टिकोण 'परिवारों की रक्षा, जीवन को समृद्ध बनाने' पर गर्व करते हैं। हमारे द्वारा प्रदान किए जाने वाला नया प्रोडक्ट, एसयूडी लाइफ सेंचुरी गोल्ड एक सुनहरा अवसर है जो फ्लेक्सिबल और कम प्रीमियम भुगतान की शर्तों और अर्जित गारंटेड मैच्योरिटी लाभ प्रदान करने में मदद करता है। अपने प्रीमियम को मैनेज करने का विकल्प हमारे ग्राहकों के बीच खुशी और शांति का नया कल्चर दे सकता है, जो कम प्रीमियम भुगतान अवधि की अनुमति देता है, लेकिन लंबी अवधि के लाइफ कवरेज की पेशकश करता है। एसयूडी लाइफ के पास 10 मिलियन से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करने वाली 17,000 से अधिक बैंक शाखाओं के एक मजबूत सामूहिक नेटवर्क के साथ भारत के सबसे बड़े जीवन बीमा वितरण फूटप्रिंट्स में से एक है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।